दृष्टि
The Vision

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-II)

DTVF/18(JS)–OPS–G10

निर्धारित समय: तीन घंटे ***Time allowed: Three Hours***	*अधिकतम अंक: 250* ***Maximum Marks: 250***

नाम (Name): Siddharth Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 10 & 11/09/2018

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	1	0	1	8

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Sid.

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

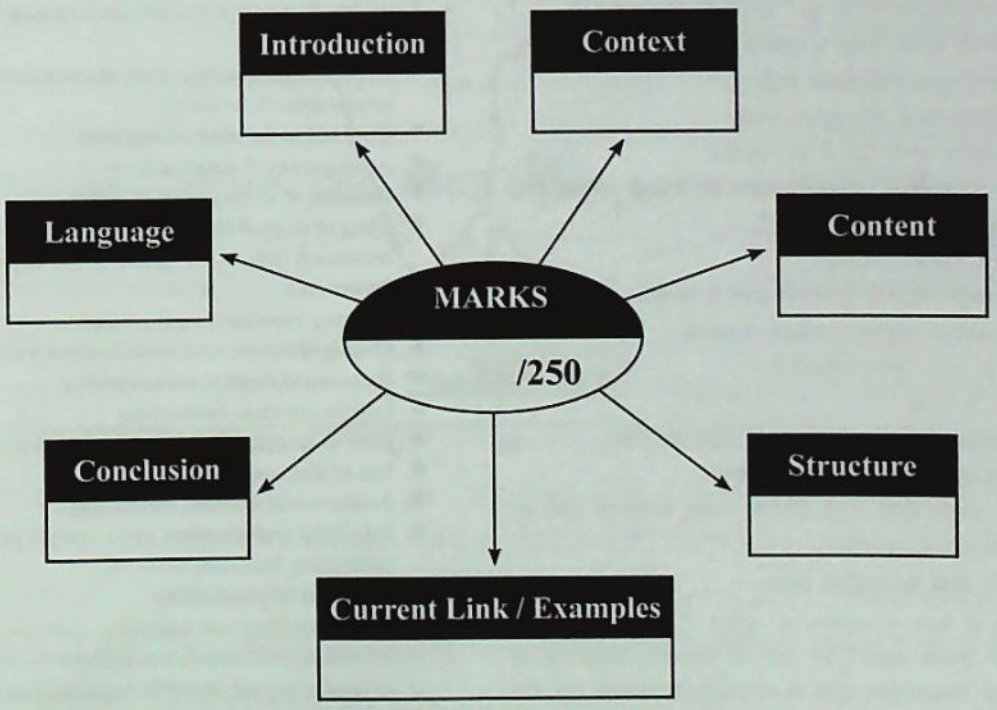

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

A3

भारत

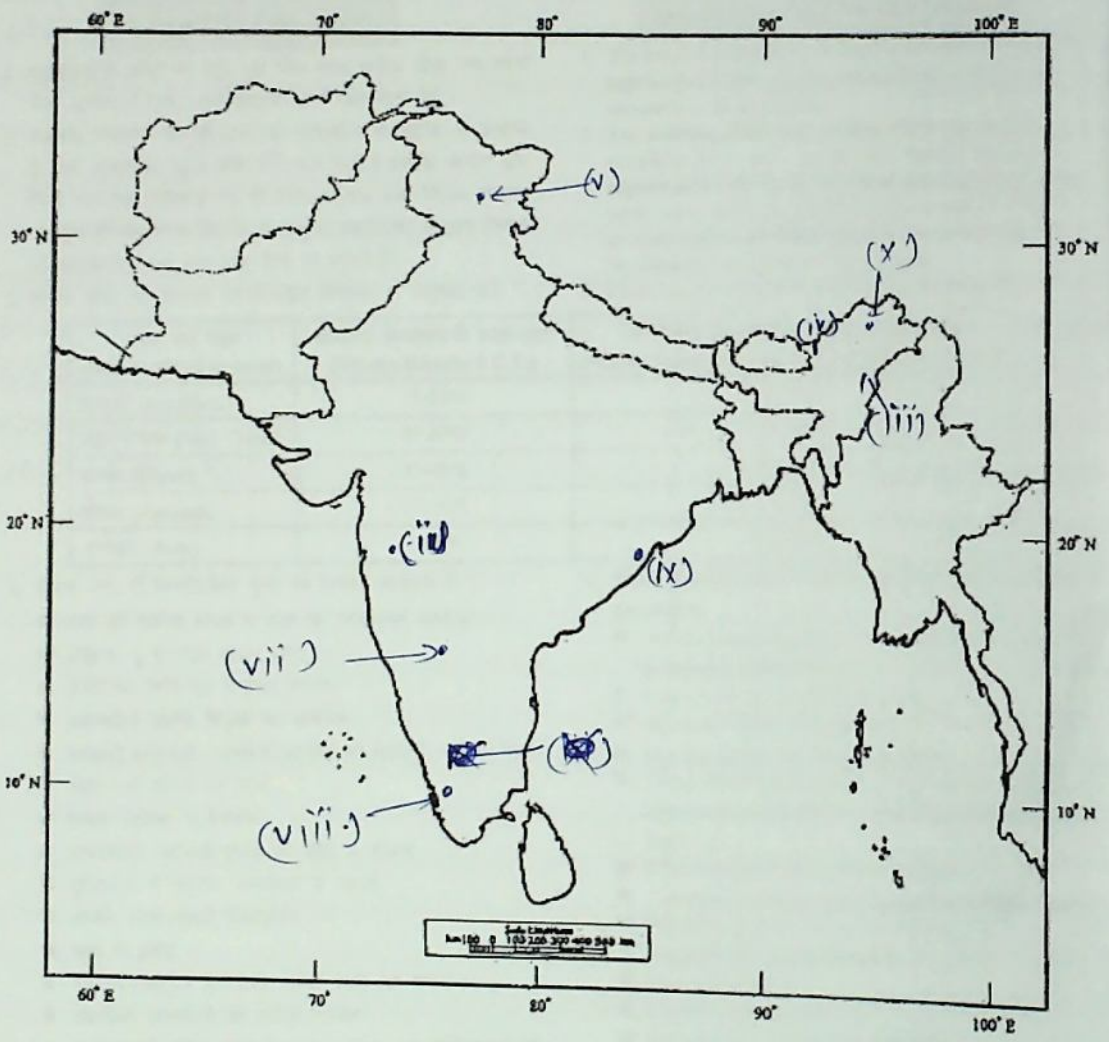

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खंड - क/ SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये:

On the given outline map of India provided to you, mark the location of all the following. Write in your QCA booklet, the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural, in not more than 30 words for each entry: $2 \times 10 = 20$

(i) क्रेम पुरी गुफाएँ

Krem puri caves → ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व की गुफाएं

↳

(ii) माटुंगा

Matunga → महाराष्ट्र के स्थित क्षेत्र

→

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) ज़ीरो घाटी

Ziro Valley

– ~~केरल के अलैप्पी~~ जैसी

↳ पूर्वोत्तर भारत में एक स्थल

↳ पर्यटन के लिए विशिष्ट महत्त्व

↳ संवेदनशील क्षेत्र

(iv) सेला पास

Sela pass

↳ अरुणाचल प्रदेश के तवांग प्रदेश में स्थित दर्रा

↳ तवांग को शेष भारत से जोड़ता है

↳ सामरिक महत्त्व

↳ बजट 2018-19 में सुरंग विकास व निर्माण की घोषणा हुई है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(v) हेमिस राष्ट्रीय उद्यान

Hemis national park.

① पश्चिमी हिमालय में स्थित एक नेशनल पार्क है

② जम्मू-कश्मीर का यह पार्क अद्भुत सुंदरता व पर्यटन संभावना लिये है।

③ विश्व के प्रमुख अधिक ऊँचे उद्यानों में एक है।

(vi) औली

Auli

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) कूर्ग

Coorg

↳ कर्नाटक राज्य का एक खनिज सम्पन्न क्षेत्र

↳ कूर्ग के पास कोलार की खाने व गोल्ड फिल्ड्स क्षेत्र है

↳ यह कर्नाटक राज्य में स्थानीय प्रशासनिक इकाई भी है

(viii) एराविकुलम नेशनल पार्क

Eravikulam National Park

↳ नीलगिरि पर्वतीय संकुल में केरल का एक नेशनल पार्क है।

↳ विशिष्ट भूदृश्य व पर्यटन महत्व का केंद्र है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ix) गहिरमाथा (मरीन) वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी

Gahirmatha (Marine) Wildlife Sanctuary.

① ओलिव रिडले कछुए के नेस्टिंग के लिए प्रसिद्ध ओडिशा के तट पर स्थित एक बैंड है।

① विशिष्ट पर्यटन महत्व व जलवायु परिवर्तन व स्रोत दोहन के प्रति संवेदनशीलता लिये है।

① यह एक मरीन अभ्यारण्य है।

(x) कांगेर घाटी नेशनल पार्क

Kanger valley national park.

① एक पर्यटन महत्व का स्थल है।

①

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत में खनन उद्योग के विकास में मौजूद प्रमुख समस्याओं की चर्चा कीजिये। 10

Discuss main problems in development of mining industry in India. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खनन उद्योग प्राथमिक उद्योग है जिसका आधार पृथ्वी के भूपर्पटी से संसाधनो का खनन है।

भारत में धात्विक, अधात्विक सहित खनिज उद्योग की व्यापक संभावना है। भारत में आयरन, मैंगनीज, जिंक, कॉपर, मोनोजाइट, गोल्ड सहित ढेरों खनिज पाये जाते है।

भारत के खनन उद्योग को बाधित करने वाले कारकों में उच्च जटिलता दिखाई देती है।

(1) खनन की पुरानी अधारणीय पद्धति जिसके चलते मुख्य साइट व आस-पास की भूमि का अवनयन हो जाता है। फलतः खनन उद्योग का विरोध होता है।

(2) खनिजों की विशिष्ट अवस्थिति तथा जनजातीय हितों से टकराव —

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- भारत मे खनिज क्षेत्र मुख्यत: जनजातीय आधिक्य क्षेत्रो मे पाये जाते है। जहाँ पर जनजातियों के शोषण व सांस्कृतिक पहचान को संकट बन जाने की समस्या के कारण विरोध होता है।

(3) खनन बनाम पर्यावरण - यह विकास व पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई यहां भी नजर आती है। जिसमे कई वास्तविक व कई राष्ट्रविरोधी NGOs सक्रिय रहते है।

(4) इसके अलावा दक्ष श्रमबल का अभाव, न्यायपालिका का हस्तक्षेप आदि प्रमुख कारण है।

फलत: खनन उद्योग को सभी पक्षकारों के हितों को समावेशित करने वाला धारणीय खनिज उद्योग बनाया जाना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) गंगा नदी तंत्र तथा ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र में जलीय कृषि की संभावनाओं की चर्चा कीजिये। 10

Discuss about potential of aqua-culture in Ganga and Brahmaputra river systems respectively. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जलीय कृषि से तात्पर्य जल मे पाई जाने वाली वनस्पतियो व जीवो के उत्पादन कार्य करने से है

Ex - शैवाल उत्पादन
- सींगा पालन
- मत्स्यन इत्यादि।

भारत मे व्यापक पैमाने पर अंतर्देशीय मत्स्यन की संभावना व्याप्त है जिन्हे एक्वा कल्चर द्वारा दोहन किया जा सकता है

गंगा व ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र भारत सहित विश्व के सबसे बड़े जलग्रहण क्षेत्र वाली नदियां है/ इन बारहमासी नदियो मे एक्वाकल्चर की उच्च स्तरीय संभावनाये है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसमें सर्वप्रमुख है मछली पालन क्योंकि यह प्रमुख खाद्य पदार्थ है तथा इस क्षेत्र की उच्च जनसंख्या की खाद्य आवश्यकता को भी पूरा कर सकता है अर्थात मांग पक्ष सशक्त है।

आपूर्ति पक्ष के संदर्भ में देखें तो मछली पालन, चावल-सह-मछली की खेती करना व उत्तरी-पूर्वी भारत में विशिष्ट मत्स्यन की अद्भुत व परंपरागत कौशलें सहित सब नदियां का बारहमासी जलवाहिनी व बहुआयामी विविधतायुक्त होना आपूर्ति पक्ष को मजबूत बनाती है।

यद्यपि की बाढ़, कौशल अभाव, छिछलाजल का होना व मौसमी बदलाव जैसी कुछ समस्याएं हैं। फलतः धारणीय मत्स्यपालन को अपनाया जाना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) अनावृष्टि प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम के महत्त्वपूर्ण तत्त्वों और इसकी कमियों की विवेचना कीजिये। 10

Analyse crucial components of drought prone area programme along with its deficiencies. 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सूखा प्रवण क्षेत्रों से तात्पर्य जहाँ वर्षा की मात्रा 70 cm से कम व परावर्तिता 50% से अधिक रहती हो, ऐसे क्षेत्रों से है।

भारत में ऐसे क्षेत्रों के संधारणीय विकास व समस्या समाधान के लिए सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम लाया गया।

मुख्य घटक

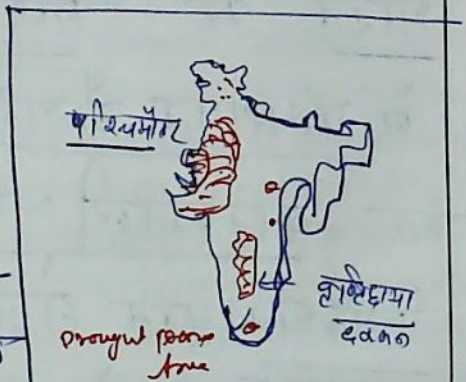

① जल संग्रह विकास प्रबंधन पर बल दिया जिसके अंतर्गत वाटरशेड का धारणीय प्रबंधन कर कृषि उत्पादकता को अधिकतम किया जाये।

② हरियाली, नीरू-मीरू, आबरी खाँसद जैसे कार्यक्रम चलाये गये है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

③ इस कार्यक्रम मे जल प्रबंधन के अंतर्गत वाटरशेड के अलावा चेकडैम बांध, वर्षा जल संग्रहण आदि पर बल दिया गया है

④ वृक्षारोपण पर बल देने के क्रम मे सामाजिक वानिकी व कृषि वानिकी को अपनाने को प्रोत्साहित किया गया है।

⑤ कृषि कार्य को शुष्क सहन फसलों, मोटा-अनाज फसलों के रूप मे रूपांतरित या शुष्क क्षेत्रीय कृषि पर जोर दिया गया है।

कमियां # -

① व्यावहारिक परिवर्तन लाने के लिए कोई प्रक्रिया निर्धारित नहीं।

② जागरूकता का अभाव

③ समन्वित प्रबंधन पर ध्यान न दिया

अतः सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम को अधिक क्रियाशील व धारणीय बनाये जाने की जरूरत है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) उत्तर भारत के विशाल मैदान की उत्पत्ति, संरचना एवं वर्गीकरण तथा उसके महत्त्व को सचित्र समझाइये। 20

Explain the origin, composition and classification of northern India's great plains with suitable diagrams along with its significance. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

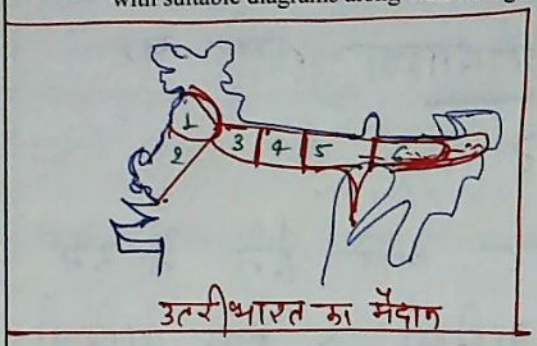

उत्तरी भारत का मैदान

1. - पंजाब - हरियाणा का मैदान
2. - पश्चिमी राजस्थान मैदान
3. - ऊपरी गंगा का मैदान
4. - मध्य गंगा "
5. - निम्न गंगा "
6. - ब्रह्मपुत्र (आसाम) मैदान

उत्तर भारत का विशाल मैदान सिंधु, गंगा व ब्रह्मपुत्र नदियों के अवसादन से बना एक जलोढ़ मैदानी प्रदेश है।

उत्पत्ति :- इसकी उत्पत्ति के संबंध में कई मत है जिनमें सर्वस्वीकृत प्लेट विवर्तनिकी है। इसके अनुसार भारतीय व युरोपीयन प्लेट के अभिसरण के क्रम में बना गर्त या भाग है जिसमें चतुर्थयुग में नदियों द्वारा [हिमालयी नदियों] द्वारा अवसाद जमाव से निर्माण हुआ है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

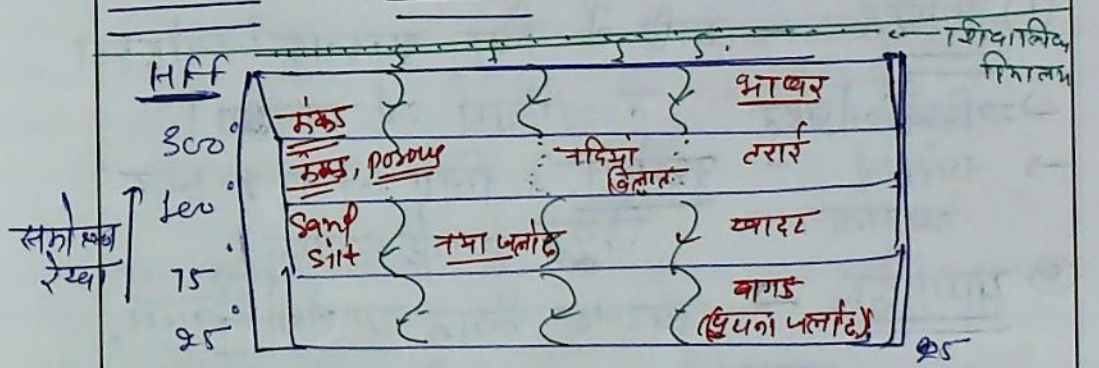

संरचना - मूल रूप से उत्तर भारत का मैदान एक समतल मैदान है जिसमें उच्चावच नगण्य है इसका ढाल पूर्व की ओर (समान्य) है इसमें थार की मरुभूमि मे धोरा, बंध जैसी संरचना तथा पंजाब मे चाओस भूदृश्य बनता है पंजाब का मैदान 5 नदियों का दोआब क्षेत्र है

इसकी संरचना मुख्यत: उत्तर से दक्षिण की ओर भाबर, तराई, बांगर व खादर से बनी है

वर्गीकरण - उत्तर भारत के मैदान को प्रादेशिक आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उत्तर भारत का मैदान

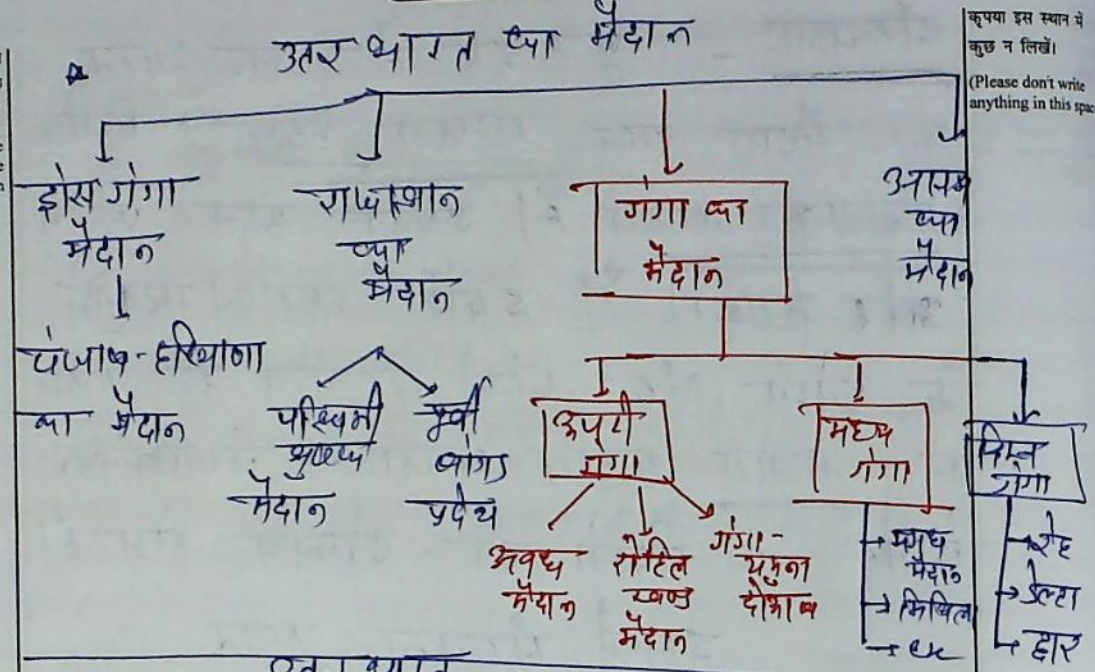

- ट्रांस गंगा मैदान
  - पंजाब-हरियाणा का मैदान
- राजस्थान का मैदान
  - पश्चिमी शुष्क मैदान
  - पूर्वी बांगर प्रदेश
- गंगा का मैदान
  - ऊपरी गंगा
    - अवध मैदान
    - रोहिल खण्ड मैदान
    - गंगा-यमुना दोआब
  - मध्य गंगा
    - मगध मैदान
    - मिथिला
    - [illegible]
  - निम्न गंगा
    - राढ़
    - डेल्टा
    - द्वार
- असम का मैदान

महत्त्व - उत्तर भारत का मैदान भारत की जीवन का आधार है।

(1) आर्थिक - कृषि के लिए उपजाऊ जलोढ़ मृदा व सिंचाई की व्यवस्था।
→ खनिजों की प्राप्ति
→ नगरों की स्थापना - उद्योगों के लिए जल व जल विद्युत द्वारा उत्पादन।

(2) सामाजिक → उपजाऊ मैदान गरीबी निवारण, खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण है।

(3) सांस्कृतिक → उत्तर का मैदान भारत में सांस्कृतिक विविधता को जन्म देता है व विविधता में एकता लाता है।

(4) पर्यावरणीय - Eco-tourism, वेटलैण्ड व विभिन्न मुद्दा लिये है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) भारत में वनों के भौगोलिक वितरण को बताएँ। आर्द्रउष्ण कटिबंधीय वनों की विशेषताओं तथा उनके महत्त्व की विवेचना कीजिये। 15

Elucidate geographical distribution of forests in india. Analyse the salient features of moist tropical forests and their significance. 15

भारत में वनों की 24.16% क्षेत्र पर प्राप्ती होती है

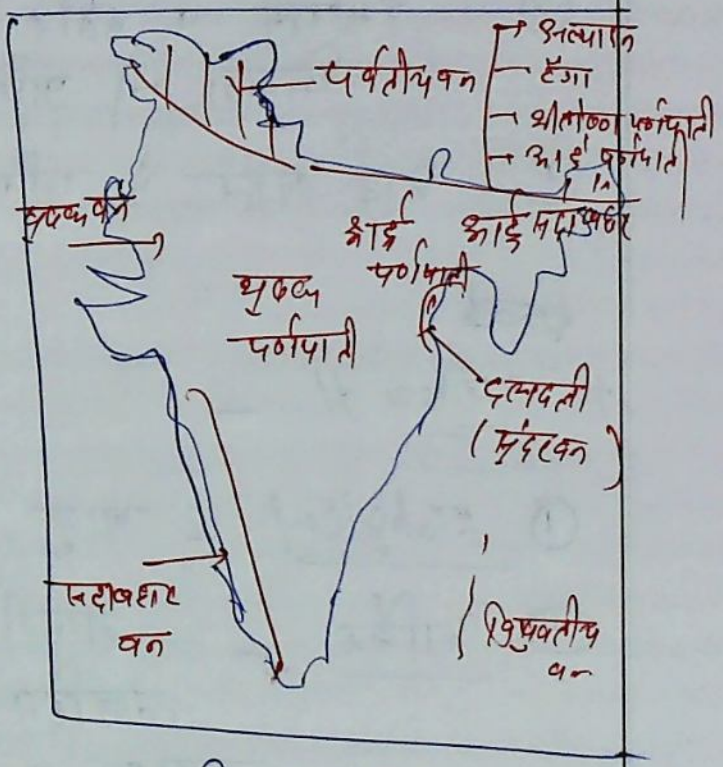

भारत मे बहुविध प्रकार के वन पाये जाते हैं

(1) पर्णपाती वन
- आर्द्र
- शुष्क

(2) सदाबहार वन

(3) अनूप वन

(4) शुष्क वन

~~आर्द्र~~ उष्ण आर्द्र कटिबंधीय वन

भारत का तीसरा सर्वप्रमुख वन क्षेत्र है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

~~features~~ :-

① 150 cm वर्षा क्षेत्र, सघन वितान क्षेत्र

② पश्चिमी घाट, मेघालय पठार, पूर्वी पहाड़ी व्याप्त क्षेत्र आदि में।

③ ईमारती व कठोर लकड़ियों का किस्मों की प्राप्ति।

④ अर्ध काल में पतझड़ होना।

~~Ecol~~

महत्व # –

① Ecological – वायु, ताप संतुलक, मृदा क्षरण

② आर्थिक – लकड़ी, फर्नीचर उद्योग, लंबाई, परिवहन, कागज व लुगदी उद्योग।

③ स्वास्थ्य – कूड़ा, फल,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) भारत में सिंचाई की परंपरागत विधियों एवं उनकी समस्याओं की चर्चा करते हुए सूक्ष्म सिंचाई विधियों के महत्त्व को बताइये। 15

Discussing traditional irrigation methods in India and their demerits, explain the importance of micro-irrigation methods. 15

सिंचाई से तात्पर्य कृषि के लिए आवश्यक नमी की आपूर्ति कृत्रिम रूप से करना है।

सिंचाई की परंपरागत विधियाँ मूलतः फ्लड सिंचाई आधारित है जिसमें जल का आवश्यकता से अधिक प्रवाह खेत मे किया जाता है। तकनीकी व प्रौद्योगिकी विकास के बाद तालाब, व कुँओ का नलकूप व ट्यूबवैल द्वारा प्रतिस्थापन से इस फ्लड सिंचाई द्वारा अधिक जल विदोहन हुआ है।

समस्याऐं

① परंपरागत फ्लड सिंचाई मे जल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आवश्यकता से अधिक व्यर्थ में दोहन होता है जिससे भौमजल में कमी आयी है।

ex - महाराष्ट्र, राजस्थान इत्यादि

(2) मृदा का लवणीकरण - अति जल सिंचाई के कारण जल के साथ लवणों का भी आगमन हुआ है।

(3) जलयोजन का संकट - भारत के राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में जलाक्रांतता की दशा बनी हुई है।

(4) मृदा → लवणीकरण, जलयोजन, क्षारीयकरण ⇒ मृदा की उर्वरता में ह्रास → कृषि दक्षता में ह्रास

फलतः परंपरागत सिंचाई से कई प्रकार की आर्थिक, पर्यावरणीय व सामाजिक समस्याएं पैदा हुई हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सूक्ष्म सिंचाई महत्व

सूक्ष्म सिंचाई से तात्पर्य सिंचाई की उस पद्धति से है जिसमे प्रत्येक बूँद से सिंचाई होती है तथा सिंचाई मे जल की न्यूनतम मात्रा का दोहन कर उत्पादन अधिकतम किया जाता है। Eg - ड्रिप व स्प्रिंकलर

फलत: भारत में मृदा की उर्वरता बनाये रखने, भौम जल स्तर को बनाये रखने व अन्य सिंचाई समस्याओं के समाधान के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रासंगिक है।

इस संदर्भ मे PM कृषि सिंचाई योजना, per drop more crop सहित micro irrigation prog. महत्वपूर्ण है। जिसे नर्मदा नदी प्रोजेक्ट पर अनिवार्य किया गया है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) भारत में मृदा निम्नीकरण के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करते हुए इसके समाधान के कुछ उपायों को भी बताएँ। 15

Discussing various types of soil degradation in India, suggest some steps to solve the problem. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मृदा निम्नीकरण से तात्पर्य मृदा की उर्वरकता में अवांछनीय असंतुलन से है। इसमें मुख्यतः मृदा की उर्वरता का ह्रास होता है।

भारत में मृदा निम्नीकरण को कई रूपों में देखा जाता है।

① मृदा अपरदन सबसे सामान्य है जो कि मैदानी भाग से लेकर पठारी व पर्वतीय भागों में विभिन्न रूपों में विद्यमान है। भारत में गंगा-यमुना खंड में अवनालिका अपरदन तथा पूर्वी राजस्थान व पंजाब में परत अपरदन पाया जाता है।

② वायु द्वारा मृदा अपरदन भारत के शुष्क व अर्द्धशुष्क भागों में होता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जल अपरदन को रोकने के लिए समोच्च रेखीय जुतार व समोच्च रेखीय मेड़ बनाने के साथ अवनालिका वाले क्षेत्रों में चूसा रोपण करना चाहिए।

③ मरुस्थलीकरण - मृदा अपक्षय का यह प्रकार पश्चिमी राजस्थान में पाया जाता है। जिसे वृक्षों की शेल्टर बेल्ट्स, मुख्य क्षेत्रीय हवा, जल संथर प्रबंधन द्वारा रोका जा सकता है।

④ मृदा लवणीयता व क्षारीयकरण जो कि पश्चिमोत्तर भारत के हरित क्रांति प्रदेशों में अतिजल दोहन का परिणाम है। इस क्षेत्र में जिप्सम का प्रयोग कर, जल-सह-कालें पैदा कर, व माइक्रो इरीगेशन प्रणाली द्वारा समाधान किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(8) प्राकृतिक आपदा जनित मृदा निम्नीकरण जैसे कि बाढ़ (नदीय व तटीय), हिमस्खलन, भूस्खलन आदि के कारण भी मृदा अवनमन होता है।

(9) मानव जनित -

मानव जनित मृदा अवनयन फसल अवैज्ञानिकता, जल कुप्रबंधन व स्थानांतरी कृषि आदि के रूप में देखा जाता है।

स्पष्ट है कि मृदा निम्नीकरण का हल जल व मृदा के धारणीय प्रबंधन सहित कृषि व समुदाय प्रबंधन की आवश्यकता है। इसके लिए मानव के मन में संसाधनों के मेंटल मैप को चेतावनीकारी बनाना होगा। ताकि सोच व व्यवहार में परिवर्तन आये।

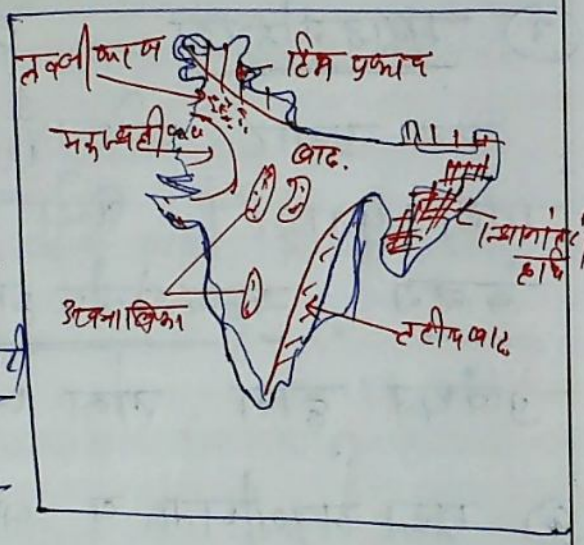

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)
दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भारत विश्व का सबसे बड़ा दलहन उत्पादक एवं उपभोक्ता देश है, किंतु सर्वाधिक उत्पादन होने के बावजूद भारत दलहन का सबसे बड़ा आयातक देश भी है। उपर्युक्त कथन के संदर्भ में भारतीय दलहन उत्पादन की चुनौतियों एवं संभावनाओं की चर्चा करें। 20

India is the largest producer as well as consumer of pulses in the world but despite having largest production, India is the largest importer of pulses too. Discuss the challenges and potential in India's pulse production with reference to aforementioned statement. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत दाल का विश्व का। उत्पादक देश है। गत वर्ष भारत मे दाल की बंपर पैदावार हुई थी। साथ ही भारत इसका प्रमुख उपभोक्ता देश है क्योंकि शाकाहारी प्रधान भारत वर्ष मे दाल प्रोटीन की आपूर्तिकर्ता की भूमिका रखता है। लेकिन फिर भी भारत दाल का आयात करता है।

भारत मे दलहन उत्पादन की चुनौतियाँ

① MSP का विकृत प्रतिरूप - भारत के MSP का गेहूँ व चावल प्रधान होने के कारण दाल का उत्पादन को

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रोत्साहन नहीं मिला है।

(2) सरकारी नीतियाँ – सरकार की MSP सब्सिडी तथा व्यापार की नीतियां दाल उत्पादन के पक्ष में नहीं है।

(3) WTO की प्रतिबंधात्मक शर्तें तथा भारत में दाल की खेप विदेशों से होती है।

(4) किसानों में जागरूकता का अभाव होना भी एक समस्या है।

(5) भारत की दालें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाती है।

फलत: देश में ऐसा सामाजिक - आर्थिक, राजनीतिक माहौल है जो दाल के उत्पादन को प्रोत्साहित नहीं करता है।

Case study → हाल ही में सरकार

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वारा दाल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए घोषणा हुई जिससे बंपर पैदावार हुई तथा मूल्य कम हो जाने से किसानो को हानि हुई।

संभावनाएं

मांग पक्ष की संभावनाओं मे भारत के प्रोटीन की आपूर्ति, पोषण सुरक्षा (प्रोटीन सुरक्षा) तथा निर्यात की दृष्टि से पर्याप्त संभावनाएं है

भारत मे शुष्क व अर्द्धशुष्क जलवायु क्षेत्र व छोटे व सीमांत किसानो की अधिकता तथा दाल का एक वाणिज्यिक फसल होना इसके उत्पादन की संभावना को बढ़ाते है क्योंकि गरीब किसान अच्छी आय चाहता है दाल की खेती की उपाई व अर्द्धशुष्क क्षेत्रो मे विशाल संभावनाएं है।

फलत: बहुआयामी लाभो को देखते हुए उत्पादन बढ़ाना चाहिए

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(c) सौराष्ट्र क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान में 'साऊनी प्रोजेक्ट' कहाँ तक सफल हो सकता है? 15

Up to which extent, 'SAUNI' Project can be successful in resolving socio-economic problems of Saurashtra region? 15

साऊनी प्रोजेक्ट नर्मदा नदी पर निर्मित एक जल प्रोजेक्ट है जिसके माध्यम से सौराष्ट्र क्षेत्र को लाभ होगा।

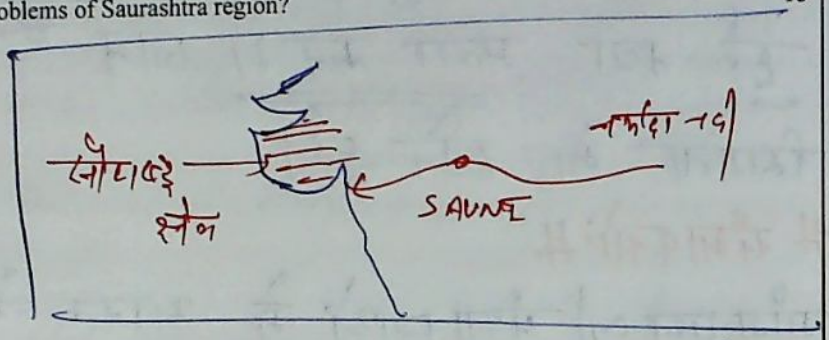

(1) सौराष्ट्र क्षेत्र में जलापूर्ति करके पेयजल व सिंचाई संकट का समाधान होगा।

(2) राष्ट्र क्षेत्र में बिजली की पहुँच बनेगी जिससे क्षेत्र में विकास का मार्ग खुलेगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(3) रोजगार पैदा होंगे

(4) अवसंरचना विकास होगा व ~~निवेश~~ बढ़ेगा फलतः विकास होगा।

फलतः लोग की गरीबी, बेरोजगारी निवारण तथा जीवनस्तर के सुधार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

- कृषि उत्पादन बढ़ाना
- रोजगार
- उद्योग विकास
- ...

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खंड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:

(a) भारत में लिंगानुपात कम होने के कारणों को बताते हुए इसके सामाजिक परिणामों की व्याख्या कीजिये।

Elucidating factors behind low sex ratio in India, explain its social consequences.

लिंगानुपात किसी समाज के पुरुष व महिलाओं के संख्यात्मक अनुपात को दर्शाता है।

भारत में लिंगानुपात (1000 पुरुषों पर 943 महिलाओं का होना) कम है।

भारत में लिंगानुपात कम होने के कारण

भारत के लिंगानुपात कम होना भारत की परंपरागत सामाजिक-संस्कृतिक स्वरूप का परिणाम है।

भारतीय समाज में लड़के के प्रति उच्च चाह, सामाजिक संस्कारों में पुरुष सदस्य को एकाधिकार आदि के कारण एवं लड़के की चाह बढ़ती है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

क्योंकि महिलाओं को दहेज बोझ व अनुत्पादक माने जाने के कारण कन्या भ्रूण हत्या, सामान्य हत्या, भेदभाव, हिंसा आदि के कारण बाल लिंगानुपात कम पाया जाता है।

भारत में प्राकृतिक रूप से भी लड़को का अधिक जन्म होता है। जिसकी कोई व्याख्या नहीं है।

कम लिंगानुपात के सामाजिक परिणाम

1. समाज में महिला सदस्य के प्रति हिंसा व अपराधों की बढ़ती प्रवृति देखी जाती है। जैसे - रेप, मानव तस्करी
2. इससे परिवार का विघटन होता है।
3. पुरुष सदस्य पर अधिक पारिवारिक आर्थिक दबाव जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा होता है।
4. अविवाहित लड़कियों की संख्या बढ़ जाती है।

फलतः नये भारत के लिए लिंग संतुलन जरूरी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) मानसून की अरब सागरीय शाखा के मार्ग तथा वर्षा प्रतिरूप का वर्णन कीजिये।

Explain the paths of arabian sea branch of monsoon along with precipitation pattern.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में वर्षा का मानसूनी प्रतिरूप पाया जाता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून का विभाजन

के बाद एक शाखा अरब सागर शाखा के रूप में विभाजित होती है।

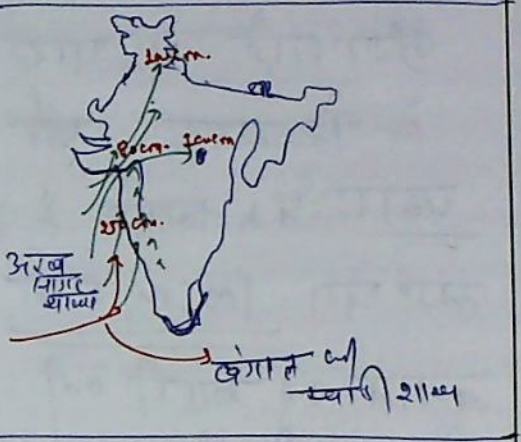

मार्ग एवं वर्षा प्रतिरूप

① अरब सागर शाखा का एक खण्ड पश्चिमी घाट से लंबवत (तिर्यक) टकराता है तथा इससे भारी पर्वतीय वर्षा पश्चिमी घाट के पवनअभिमुखी ढाल पर प्राप्त होती है। इस पर्वतीय वर्षा का वृष्टि छाया प्रदेश दक्कन का पठार कम वर्षा पाता है।

मुंबई में 200 cm तक वर्षा व पुणे में 50 cm. मात्र

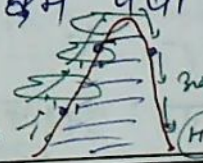

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) अरब सागर शाखा की एक उपशाखा कच्छ घाटी को पार कर गुजरात से विपरीत पूर्व की ओर अमरकंटक पठार तक जाती है तथा वहां पर लगभग 100 cm वर्षा कराती है व बंगाल की खाड़ी की एक शाखा से मिल जाती है।

(3) अरब सागर शाखा का उत्तर की ओर व उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर जाने वाला खण्ड सौराष्ट्र क्षेत्र में 80 cm तथा राजस्थान के माउंट आबू में लगभग 80-100 cm बारिश कराने के बाद अरावली पर्वत श्रेणी के समानांतर प्रवाह करता है जिससे यहां कोई बारिश नहीं होती है। यह भाग उत्तर में पंजाब हिमालय में बंगाल की खाड़ी शाखा से मिलकर 100-120 cm वर्षा कराता है।

फलतः अरब सागर शाखा का अपना विशिष्ट महत्व है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) औद्योगिक और व्यापारिक नगर में परिलक्षित होने वाले अंतर को बताइये।
Mention the apparent differences between industrial and trade towns.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

औद्योगिक व व्यापारिक नगर दोनों ही नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण के तहत प्रस्तुत दो प्रकार है।

अंतर

औद्योगिक नगर	व्यापारिक नगर
① औद्योगिक क्षेत्रक प्रधानता	① व्यापार अथवा सेवा क्षेत्रक प्रधानता
② कुछ मुख्य उद्योग के साथ कई अनुषंगी उद्योगों का जाल	② कई प्रकार की सेवाएँ Ex. सेवा व्यापार - वस्तु व्यापार
③ कच्चा माल व बाजार दोनों का अवस्थापन के प्रभाव	③ मांग को मुख्य आधार माना जाता है।
④ औद्योगिक नगरों में निर्माण, विनिर्माण सहित कई	④ केवल व्यापार

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विशेषताऐं होती है	Example – जमशेदपुर एक विनिर्माण औद्योगिक नगर है तथा कांडला एक व्यापार नगर है

लेकिन दोनो ही परस्पर संबंधित होती है तथा परस्पर पूरक रहते है।

औद्योगिक नगरों से निर्मित उत्पाद ही व्यापार किया जाता है।

एक औद्योगिक नगर साथ व्यापार नगर भी हो सकता है।

Ex – दिल्ली

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर लागू करने के सामाजिक, आर्थिक और रणनीतिक निहितार्थों की व्याख्या कीजिये।

Explain the social, economic and strategic implecations of implementing National Register of Citizens (NRC) in Assam.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर मुख्यतः राष्ट्रीय नागरिकों की पहचान व अवैध लोगों को बाहर निकालने के उद्देश्य से तैयार किया जाता है।

हाल ही में असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर लागू किया गया जिसका उद्देश्य असम में प्रवेश कर गये बाहरी लोगों को वापस भेज देने से है।

सामाजिक परिणाम :→

इससे असम के शांति, खुशहाली की स्थापना होगी तथा असम मूल के लोगों की नौकरी, बेरोजगारी सहित सामाजिक समस्याओं का निवारण होगा। हालांकि अपने अधिकार छिनने व तथाकथित अवैध घोषित लोगों द्वारा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक आंदोलन को जन्म दिये जाने का खतरा भी विद्यमान है इससे क्षेत्र में परस्पर टकराव का खतरा बन सकता है।

आर्थिक परिणाम - इससे असम क्षेत्र में जनसंख्या - संसाधन अनुपात भी संतुलित होगा व शांत असम समृद्ध असम व समृद्ध पूर्वोत्तर के साथ विकसित भारत को बढ़ावा देगा। यद्यपि इससे अवैध घोषित लोगों की आजीविका छिनना, गरीबी का संकट उन पर बन सकता है।

रणनीतिक निहितार्थ :- इससे भारत के पूर्वोत्तर सहित संपूर्ण देश में सुरक्षा को, शांति को मजबूती मिलेगी तथा यह अन्य भारतीय क्षेत्रों में बसे अवैध प्रवासियों सहित भविष्य में आने की सोच रहे लोगों व समूहों पर निवारक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि इससे बांग्लादेश से संबंधों में तनाव, केंद्र-राज्य तनाव, म्यांमार से तनाव का खतरा है। फलतः सभी पक्षों को ध्यान में रखकर ही लागू किया जाये।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) अनुसूचित जनजातियों के वितरण प्रतिरूप की व्याख्या कीजिये।

Explain the distribution pattern of scheduled tribes in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अनुसूचित जनजातियाँ ऐसी जातियाँ हैं जो दुर्गम क्षेत्रों में निवासित हैं, जो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़ी व मुख्य धारा समाज से दूर आदिम प्रकृति का जीवन जीती हैं।

Ex. भील, गोंड, टोडा, इत्यादि।

वितरण प्रतिरूप

भारत में जनजातियों का वितरण प्रतिरूप उनकी सामाजिक-आर्थिक क्रिया आधारित है।

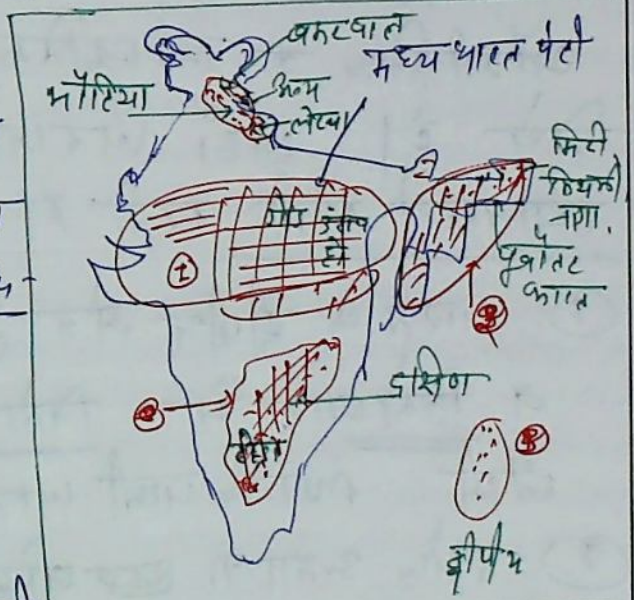

(1) मध्य भारत पेटी
→ 70% से अधिक जनसंख्या इस क्षेत्र में है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ इसमें राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, ओडिशा, आदि राज्य है।
५ इसमें मुख्यत: हो, बिरहोर, गोंड, भील, उरांव जैसी जनजातियां है।

(२) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र – इसमें मुख्यत: नागा, कुकी, गारो, खासी, मिरी, अबोर जैसी जनजातियाँ पायी जाती है। यह क्षेत्र भौगोलिक व सांस्कृतिक भिन्नता लिये है। जहाँ जनजातियाँ स्थानांतरी खेती करती है।

(३) भारत के द्वीपीय क्षेत्र मुख्यत: अंडमान व निकोबार में निकोबारी, सेंटिनली जैसी PVTGs पायी जाती है।

(४) इसके अलावा पश्चिमी हिमालय में पशुचारक गुज्जर बकरवाल, लेप्चा, भोटिया आदि पायी जाती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. (a) आवास की विशिष्ट दशा अनुसूचित जातियों की समस्याओं का मूल कारण है। अनुसूचित जनजाति की समस्याओं के समाधान के साधन के रूप में राष्ट्रीय जनजाति नीति के महत्त्व को रेखांकित कीजिये। 20

Specific conditions of habitation is the fundamental reason of problems of scheduled tribes in India. Underline the importance of proposed national policy for tribals as a solution of problems of scheduled tribes. 20

अनुसूचित जातियाँ ऐसे क्षेत्रों में निवास करती हैं जहाँ पर—

~~पर्वत~~
- पर्वत-पठार- विषम उच्चावच
- अनुपजाऊ भूमि
- घने जंगल
- मुख्य समाज से दूर

फलतः इससे इन क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक समस्याएँ झेलनी होती हैं।

ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में —

विद्यालय, अस्पताल अभाव
- सड़क, वायु, रेल परिवहन इनका अभाव
- इंटरनेट का अभाव
- वित्तीय संस्थान का अभाव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

//

किसी भी प्रकार का जुड़ाव के अभाव से गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, अंधविश्वास जैसी समस्याएं पैदा होती है।

राष्ट्रीय जनजाति नीति से —

(1) जनजातियों की भागीदारी से विकास पर बल

(2) उनके अधिकारों के संरक्षण व विकास के संतुलन पर बल

(3) धीरे-2 क्रमशः विकास की प्रक्रिया पर बल

(4) NGO, SHG आदि की मध्यस्थ भागीदारी

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ग्रामसभा की निर्णायकता पर बल।

अतः राष्ट्रीय जनजाति नीति के अलावा जागरूकता व मानव विज्ञानियों की मध्यस्थता के माध्यम से धीमी गति से परन्तु सुधार पर बल देना चाहिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) राज्य स्तर पर महिलाओं की सहभागिता के अनुपात में अत्यधिक विषमता को कम करने के दीर्घकालिक समाधान के रूप में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना किस प्रकार योगदान कर सकती है? 15

How can 'Beti bachao, beti padhao' initiative can contribute as a long-term solution towards the minimization of stark disparity in female workforce participation at state level? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

महिला सहभागिता अनुपात से तात्पर्य महिलाओं की श्रमबल के भागीदारी से है

भारत में महिला श्रमबल सहभागिता 25% से कम है जो कि बहुत कम है इसका भी बड़ा भाग कृषि क्षेत्र में कार्यरत है

महिला सहभागिता का अनुपात राज्य स्तर पर भारी विषमता लिये हुये है दक्षिण के राज्यों में यह लगभग 50% से अधिक है जबकि उत्तर भारत में 20% से भी कम की दशा है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

अभियान देश के पिछड़े लिंगानुपात वाले जिलों के अंतर्गत प्रोग्राम है। जिसके माध्यम से —

① महिला के प्रति सोच में बदलाव पर बल दिया है।

② सुकन्या समृद्धि से जोड़कर महिलाओं के लिए शिक्षा की व्यवस्था की गई है।

③ जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर महिला भूमिका सुधार पर बल दिया है।

④ सोच में परिवर्तन को महत्व दिया है।

⑤ इसमें # सेल्फी विद डॉटर जैसे जागरूकता अभियान हुये हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फलत: इससे महिलाओं के प्रति सोच बदलेगी व इनकी सार्वजनिक क्षेत्र में भूमिका बढ़ेगी।

लेकिन यह पर्याप्त नहीं है सब विधा के माध्यम सभी सामाजिक - आर्थिक - वित्तीय प्रोग्राम व नीतियों का समन्वय करके LFPR को बढ़ाया जा सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) भारत में भू-स्खलन सुभेद्यता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए भू-स्खलन के मुख्य कारणों एवं परिणामों की विवेचना कीजिये। 15

Mentioning landslide-prone areas of India describe the main factors and consequences of landslide. 15

भूस्खलन से तात्पर्य भूमि के बड़े टुकड़े के उच्च भाग से निम्न भाग की ओर गुरुत्वीय प्रवाह होने से है।

भू-स्खलन सुभेद्य क्षेत्र -

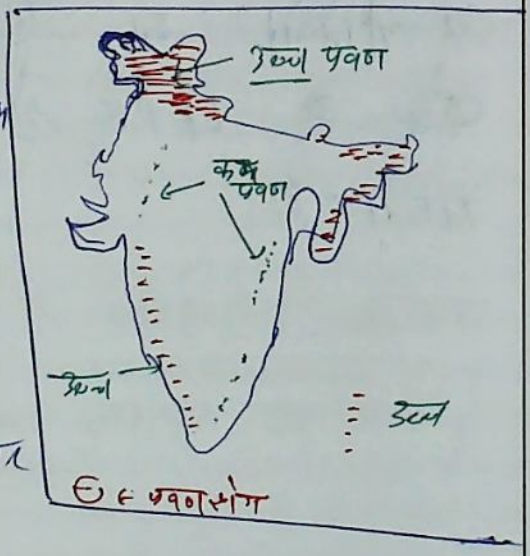

① पश्चिमी व पूर्वी हिमालय प्रदेश
Ex. जम्मू कश्मीर व उत्तराखण्ड के प्रतिवर्ष भूस्खलन

② अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह

③ पश्चिमी घाट

मुख्य कारण

① प्राकृतिक - प्राकृतिक रूप से गुरुत्वाकर्षण बल का प्रभाव रहता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ताप व दाब का दैनिक व वार्षिक अंतर व तीव्र वर्षा के कारण चट्टानों का विघटन व वियोजन हो जाता है व भूस्खलन आते हैं। उत्तराखण्ड

② मानव :- मानव जनित गतिविधियाँ भी भूस्खलन लाती है।

मानव द्वारा पर्वत के ढाल स्लोप पर खनन, प्रखनन व ढाल की दिशा में कुतार कटना तथा विभिन्न संरचना निर्माण से भी ढाल संतुलन बिगड़ जाता है।

मानव जनित जलवायु परिवर्तन ने भूस्खलन की तीव्रता व आवृत्ति को बढ़ा दिया है।

परिणाम :-

① आर्थिक :- जान-माल की क्षति, पर्यटन की हानि वं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अवसंरचना पुनः निर्माण की उच्च लागत व पिछड़ापन आदि है।

② सामाजिक परिणाम :- पलायन, फसल नष्ट होने से खाद्य असुरक्षा, बीमारी, गरीबी इत्यादि।

③ पर्यावरणीय - ढाल संतुलन बिगड़ना, जैव विविधता ह्रास आदि।

साथ ही प्राकृतिक भूस्खलन ढाल की पुनः स्थापन, झील निर्माण, जल निकाय निर्माण के रूप में विनाशकारी रहता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

भूगोल (वैकल्पिक विषय)

(मॉडल टेस्ट-II)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation